vinetur

स्विट्ज़रलैंड ने घरेलू अंगूर खरीद से वाइन आयात अधिकार जोड़ने की योजना छोड़ी

वाइन उत्पादक संगठनों का कहना है कि नई संघीय रणनीति से स्विस उत्पादकों का संकट दूर नहीं होगा।

मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026



स्विट्ज़रलैंड ने वाइन आयात अधिकारों को घरेलू अंगूरों की खरीद से जोड़ने की योजना छोड़ दी है। इस फैसले पर वाइन उत्पादक संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि देश के वाइन उद्योग के संकट से निपटने के लिए संघीय सरकार पर्याप्त कदम नहीं उठा रही।

बर्न में हुई एक बैठक में संघीय पार्षद Guy Parmelin ने स्विस अंगूर की खेती को समर्थन देने की नई संघीय रणनीति पेश की। स्विस सरकार के अनुसार, यह योजना तीन मुख्य कदमों पर आधारित है : मांग के अनुरूप अंगूर के बागों का क्षेत्रफल तय करना, प्रचार और निर्यात को बढ़ावा देना तथा आयात नियमों में बदलाव करना। इन उपायों का उद्देश्य स्विस वाइन उत्पादन को समर्थन देना और देश तथा विदेश में स्विस वाइन की बाजार स्थिति बेहतर करना है।

पहले जिन विचारों पर विचार किया गया था, उनमें स्विट्ज़रलैंड के विश्व व्यापार संगठन (WTO) के 170 million liters के वाइन शुल्क कोटे का आवंटन स्विस अंगूर खरीदने और उनकी पेराई से जोड़ना शामिल था। व्यवहार में, इससे आयात व्यवस्था में घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देने की एक व्यवस्था बनती। संघीय सरकार ने कहा कि हितधारकों के साथ परामर्श के दौरान इस प्रस्ताव को बहुमत का समर्थन नहीं मिला, इसलिए अब इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

इसके बजाय, बर्न स्वेच्छा से अंगूर की बेलें हटाने के लिए दिए जाने वाले भुगतान को जारी रखने का प्रस्ताव कर रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर उत्पादन क्षमता घटाई जा सके। उसने यह भी कहा कि भविष्य के व्यापार समझौतों के तहत स्विस वाइन निर्यात को अतिरिक्त समर्थन मिल सकता है। एक और बदलाव के तहत, 2027 के अध्यादेश पैकेज के हिस्से के रूप में WTO वाइन शुल्क कोटे की नीलामी की जाएगी। संघीय परिषद के जनवरी 2027 में इन प्रस्तावों पर सार्वजनिक परामर्श शुरू करने की उम्मीद है।

यह रणनीति Parmelin के आर्थिक मामलों, शिक्षा और अनुसंधान विभाग की ओर से अगस्त 2025 में शुरू हुई चर्चाओं के बाद आई है। इन चर्चाओं में Swiss Farmers' Union, Interprofession of Vine and Swiss Wines, Swiss Winegrowers' Federation, Swiss Wine Promotion, Swiss Wine Trade Association और कैंटोनल प्राधिकरण शामिल थे। इनका मकसद दबाव का सामना कर रहे क्षेत्र की मदद के उपाय तलाशना था।

सरकार का ताज़ा रुख सार्वजनिक होने के बाद वाइन उत्पादक संगठनों ने निराशा और चिंता जताई। एक संयुक्त बयान में Swiss Winegrowers' Federation, Interprofession of Vine and Swiss Wines और Swiss Farmers' Union ने घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देने की योजना छोड़ने के फैसले पर गहरा खेद व्यक्त किया। उनका तर्क था कि स्विस वाइन उत्पादक अब भी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और विभाग की ओर से पेश की गई तीन हिस्सों वाली रणनीति क्षेत्र को प्रभावित कर रहे असंतुलन को दूर नहीं करेगी।

एक अन्य संगठन, स्वतंत्र वाइन उत्पादकों और वाइन निर्माताओं के स्विस संघ ने Parmelin पर उत्पादकों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि वह अंगूर के बागों वाले परिवारों के बजाय वाइन व्यापार के हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। देश के सबसे महत्वपूर्ण वाइन क्षेत्रों में से एक, Interprofession of Vine and Wine of Valais ने भी योजना की आलोचना की। उसने सरकार के कदम को साहसहीन फैसला बताया और कहा कि मौजूदा संकट के बीच बर्न जिम्मेदारी लेने में नाकाम रहा है।

विवाद इस बात पर केंद्रित है कि व्यापक बाजार व्यवस्था के भीतर रहते हुए घरेलू उत्पादन की रक्षा के लिए संघीय सरकार को कितनी दूर तक जाना चाहिए। उत्पादकों ने ऐसे सख्त उपायों की मांग की थी जो आयात को सीधे स्विस उत्पादन के समर्थन से जोड़ते। इसके विपरीत, सरकार ने ऐसी व्यवस्था की दिशा में कदम बढ़ाया है जिसका जोर अतिरिक्त उत्पादन क्षमता घटाने, बिक्री और निर्यात को बढ़ावा देने तथा आयात व्यवस्था में बदलाव पर है—न कि घरेलू खरीद की शर्त लगाकर बाजार तक पहुंच सीमित करने पर।

इस फैसले का असर अंगूर के बागों से जुड़ी नीतियों से आगे तक जाता है। आयातकों के लिए मुख्य वाइन कोटे तक पहुंच हासिल करने हेतु स्विस अंगूर खरीदना अनिवार्य करने से इनकार करके, स्विट्ज़रलैंड ऐसे नए अवरोध से बच रहा है जिसका असर विदेशी वाइन आपूर्तिकर्ताओं और घरेलू वितरकों पर पड़ सकता था। वहीं, आयात अधिकारों की नीलामी से वाइन आयातकों, व्यापारियों और पेय बाजार से जुड़े अन्य कारोबारों की लागत और प्रतिस्पर्धा की स्थितियां बदल सकती हैं—यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतिम नियम किस तरह बनाए जाते हैं।

स्विस उत्पादकों के लिए मुख्य सवाल यह है कि क्या नया पैकेज उस बाजार को स्थिर कर पाएगा जिस पर उद्योग के कई लोगों के अनुसार गंभीर दबाव है। सरकार का जवाब है कि जहां जरूरी हो वहां अंगूर के बागों का क्षेत्रफल घटाया जाए और स्विस वाइन का मूल्य तथा पहुंच बढ़ाने की कोशिश की जाए। उत्पादक संगठनों का कहना है कि यह तरीका उनके द्वारा मांगे गए सख्त हस्तक्षेप से बहुत कम है। ऐसे में अगले साल की शुरुआत में प्रस्ताव पर औपचारिक रूप से सार्वजनिक समीक्षा शुरू होने पर परामर्श प्रक्रिया में विवाद होने की आशंका है।